RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

# गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 358
दि. 01.05.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा


# रिकॉर्ड मतदान के बाद ममता का दावा: 'मां, माटी, मानुष' की सरकार फिर बनेगी, 226 सीटों का लक्ष्य पार करने का भरोसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान के बाद सियासी तापमान चरम पर पहुँच गया है और इसी बीच मुख्यमंत्री Mamata Banerjee ने एक बार फिर अपनी पार्टी की जीत को लेकर बड़ा और आत्मविश्वास से भरा दावा किया है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने 'मां, माटी और मानुष' के पक्ष में खुलकर मतदान किया है और उनकी सरकार दोबारा सत्तासीन होने जा रही है। ममता बनर्जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी पार्टी इस बार 226 सीटों का आंकड़ा पार करेगी और यह जीत ऐतिहासिक होगी। चुनाव प्रक्रिया के समापन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया मंच X पर एक वीडियो संदेश जारी कर मतदाताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया, साथ ही कई गंभीर आरोप भी लगाए, जिससे राजनीतिक माहौल और गरमा गया है।

अपने संदेश में ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता के प्रति गहरी कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि भीषण गर्मी और कथित प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद लोगों ने जिस उत्साह और साहस के साथ मतदान किया, वह लोकतंत्र की ताकत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "बंगाल के मां, माटी और मानुष को मैं दिल से धन्यवाद देती हूं। आपने कठिन परिस्थितियों में भी अपने अधिकार का उपयोग किया और लोकतंत्र को मजबूत किया।" उन्होंने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की भी सराहना की, यह कहते हुए कि उन्होंने तमाम दबावों और कथित अत्याचारों के बावजूद अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और पार्टी के पक्ष में माहौल बनाए रखा।

हालांकि इस आभार प्रदर्शन के साथ-साथ ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर आरोप भी लगाए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पूरी मशीनरी का इस्तेमाल पश्चिम बंगाल में चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया गया। उन्होंने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के साथ-साथ भाजपा शासित राज्यों के नेताओं पर आरोप लगाया कि उन्होंने बंगाल के चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश की। ममता ने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियों और बलों का दुरुपयोग किया गया और चुनावी माहौल को प्रभावित करने का प्रयास हुआ।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से केंद्रीय सुरक्षा बलों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने निष्पक्षता से काम नहीं किया और वे एक राजनीतिक दल के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गृह मंत्री के निर्देश पर केंद्रीय बलों ने चुनाव के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया। यह बयान चुनावी माहौल में और अधिक तीखापन लाने वाला माना जा रहा है, क्योंकि इस पर विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रिया आने की संभावना है।

ममता बनर्जी ने मतपेटियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई और अपने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीसों घंटे निगरानी करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि हर वोट सुरक्षित रहे और उसकी सही गिनती हो। उन्होंने अपने समर्थकों से सतर्क रहने और किसी भी तरह की अनियमितता पर नजर रखने को कहा। यह अपील दर्शाती है कि चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक दल कितने सजग और सतर्क हैं।

एग्जिट पोल को लेकर भी मुख्यमंत्री ने खुलकर असहमति जताई। उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों के माध्यम से जो एग्जिट पोल सामने आए हैं, वे पूरी तरह भ्रामक हैं और उनका उद्देश्य जनता के मनोबल को गिराना है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि यह सब एक सुनियोजित रणनीति के तहत किया जा रहा है, ताकि चुनाव परिणामों से पहले ही माहौल को प्रभावित किया जा सके। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पिछले चुनावों में भी एग्जिट पोल गलत साबित हुए थे और इस बार भी वास्तविक परिणाम इनसे बिल्कुल अलग होंगे।

उन्होंने कहा कि "मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रही हूं कि टीवी पर जो दिखाया जा रहा है, वह सच्चाई नहीं है। यह पैसों का खेल है और जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है।" उनका यह बयान मीडिया और एग्जिट पोल एजेंसियों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है और चुनावी बहस को एक नया मोड़ देता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी का यह आत्मविश्वास उनकी जमीनी पकड़ और पिछले चुनावों में मिली सफलता पर आधारित है। पश्चिम बंगाल में 'मां, माटी, मानुष' का नारा उनकी राजनीति की पहचान बन चुका है और यह नारा आम जनता के साथ उनके जुड़ाव को दर्शाता है। इस बार भी उन्होंने इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए जनता से समर्थन मांगा और अब परिणाम से पहले ही अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही हैं।

दूसरी ओर, विपक्षी दल विशेषकर भाजपा, इन आरोपों को सिरे से खारिज कर सकते हैं और चुनाव आयोग की निष्पक्षता का हवाला देते हुए ममता बनर्जी के बयानों पर सवाल उठा सकते हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में राजनीतिक बयानबाजी और तेज होने की संभावना है। चुनाव परिणाम से पहले का यह दौर हमेशा से ही आरोप-प्रत्यारोप और दावों-प्रतिदावों से भरा रहता है, और इस बार भी पश्चिम बंगाल इसका अपवाद नहीं है।

बहरहाल, अब सभी की नजरें मतगणना के दिन पर टिकी हुई हैं, जब यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसे अपना समर्थन दिया है। क्या ममता बनर्जी का 226 सीटों का दावा सही साबित होगा या एग्जिट पोल के अनुमान सटीक निकलेंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन इतना तय है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर देशभर का ध्यान अपनी ओर खींच रही है और इसके परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक प्रभाव डाल सकते हैं।

## राज्यसभा चुनाव में मतपत्र विवाद पर सख्त हुआ चुनाव आयोग, बीजद की शिकायत पर सुनवाई के निर्देश

भुवनेश्वर। ओडिशा में हालिया राज्यसभा चुनाव के दौरान सामने आए मतपत्र विवाद ने सियासी हलकों में हलचल तेज कर दी है। इस पूरे मामले में Election Commission of India ने हस्तक्षेप करते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बीजद की शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश बीजद सांसद Sasmit Patra द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त Gyanesh Kumar को सौंपे गए ज्ञापन के जवाब में जारी किया गया है, जिससे यह मामला अब औपचारिक जांच की दिशा में बढ़ गया है।

चुनाव आयोग के अवर सचिव राजेश कुमार सिंह द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बीजद प्रतिनिधिमंडल की शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और उसकी सुनवाई में किसी तरह की देरी न हो। आयोग के इस त्वरित रुख को विपक्षी दल ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का संकेत बताया है। बीजद ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि वह चुनाव आयोग की इस जिम्मेदार कार्रवाई की सराहना करता है, क्योंकि इससे चुनावी संस्थाओं में जनता का विश्वास और मजबूत होता है।

बीजद ने यह भी कहा कि चुनावी प्रक्रिया

में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पार्टी के अनुसार, उसका प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर सभी तथ्यों और साक्ष्यों को विस्तार से प्रस्तुत करेगा। साथ ही पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले में स्पष्ट जवाब और उचित कार्रवाई की अपेक्षा रखती है, ताकि भविष्य में इस तरह की किसी भी घटना को रोका जा सके।

दरअसल, यह पूरा विवाद 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान सामने आया, जब भाजपा के दो विधायकों—उपासना मोहपात्रा और पूर्ण चंद्र सेठी—को कथित तौर पर दूसरा मतपत्र जारी किए जाने की बात सामने आई। बीजद ने आरोप लगाया है कि यह चुनावी प्रक्रिया के नियमों के खिलाफ है और इससे मतदान की पवित्रता पर सवाल खड़े होते हैं। पार्टी का कहना है कि यदि किसी मतपत्र पर पहले ही निशान लग चुका था, तो उस स्थिति में दूसरा मतपत्र जारी करना कैसे और किन परिस्थितियों में संभव हुआ, यह एक गंभीर जांच का विषय है।

इस मुद्दे को लेकर बीजद ने चुनाव आयोग के समक्ष अपनी चिंता जताई और इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बताया। पार्टी का मानना है कि इस तरह की घटनाएं चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती हैं और यदि समय रहते इन पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह एक खतरनाक परंपरा बन सकती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राज्यसभा चुनाव जैसे संवेदनशील और सीमित मतदाताओं वाले चुनावों में हर एक वोट का महत्व अत्यधिक होता है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता या प्रक्रिया में विचलन पूरे परिणाम को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि इस मामले को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो गया है।

हालांकि भाजपा की ओर से इस मामले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है, लेकिन यह स्पष्ट है कि चुनाव आयोग के हस्तक्षेप के बाद अब यह मुद्दा केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी संस्थागत जांच भी होगी। इससे यह भी तय होगा कि क्या वास्तव में चुनावी प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी हुई थी या यह केवल आरोपों तक ही सीमित है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि चुनावी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाने के लिए क्या अतिरिक्त कदम उठाए जाने चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता है, जिससे लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी।

फिलहाल सभी की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी इस मामले में क्या निष्कर्ष निकालते हैं और चुनाव आयोग आगे क्या कदम उठाता है। यह मामला न केवल राज्य की राजनीति, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चुनावी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षण बन गया है।

## भारत-इटली रक्षा साझेदारी को नई दिशा: राजनाथ सिंह और गुइडो क्रोसेटो की अहम बैठक, पश्चिम एशिया पर भी गहन मंथन

नई दिल्ली। भारत और इटली के बीच सामरिक संबंधों ने एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। गुरुवार को राजधानी दिल्ली में रक्षा मंत्री Rajnath Singh और इटली के रक्षा मंत्री Guido Crosetto के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को नई दिशा देने का संकेत दिया है। इस बैठक में न केवल रक्षा क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा हुई, बल्कि पश्चिम एशिया की जटिल और संवेदनशील सुरक्षा स्थिति पर भी दोनों देशों ने अपने विचार साझा किए।

यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अस्थिरता की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में भारत और इटली जैसे देशों के बीच रणनीतिक सहयोग का विस्तार अंतरराष्ट्रीय संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा उत्पादन, तकनीकी सहयोग और संयुक्त सैन्य गतिविधियों को लेकर कई अहम बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच X पर जानकारी साझा करते हुए इसे अत्यंत फलदायी बताया। उन्होंने कहा कि "दिल्ली में आज अपने इतालवी समकक्ष के साथ व्यापक बातचीत करके बहुत खुशी हुई। हमने पश्चिम एशिया की

वर्तमान स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा की।" यह बयान इस बात का संकेत देता है कि दोनों देशों के बीच संवाद केवल द्विपक्षीय मुद्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वैश्विक चुनौतियों पर भी साझा दृष्टिकोण विकसित करने की कोशिश की गई।

बैठक का एक प्रमुख फोकस रक्षा औद्योगिक सहयोग रहा। भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में इटली के साथ साझेदारी को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। राजनाथ सिंह ने इस संदर्भ में कहा कि दोनों देशों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी रक्षा औद्योगिक सहयोग को और विकसित करने के तरीकों पर चर्चा की। इसका मतलब है कि भविष्य में दोनों देश संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और रक्षा उपकरणों के निर्माण में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

इटली, जो यूरोप के प्रमुख रक्षा निर्माताओं में से एक है, उन्नत तकनीक और विशेषज्ञता के क्षेत्र में भारत के लिए एक अहम साझेदार बन सकता है। वहीं भारत अपने विशाल बाजार, कुशल मानव संसाधन और बढ़ती औद्योगिक क्षमता के कारण इटली के लिए एक आकर्षक सहयोगी है। इस परिप्रेक्ष्य में दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग का विस्तार न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा, बल्कि रणनीतिक रूप से भी दोनों देशों की स्थिति को मजबूत करेगा।

इस बैठक के दौरान एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया, जब दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना 2026-27 का आदान-प्रदान किया गया। यह योजना आने वाले वर्षों में संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आपसी समन्वय को बढ़ाने में सहायक होगी। इससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा और वे साझा चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से सामना कर सकेंगी। पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा भी इस बैठक का अहम हिस्सा रही। वर्तमान समय में यह क्षेत्र कई तरह के तनाव और संघर्षों से गुजर रहा है, जिसका असर वैश्विक सुरक्षा पर पड़ रहा है। भारत और इटली दोनों ही इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता के पक्षधर हैं। ऐसे में इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच विचारों का आदान-प्रदान उनके कूटनीतिक दृष्टिकोण को और अधिक समन्वित बनाने में मदद करेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की उच्चस्तरीय बैठकों से न केवल द्विपक्षीय संबंध मजबूत होते हैं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी देशों की भूमिका अधिक प्रभावशाली बनती है। भारत, जो तेजी से एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, ऐसे सहयोगों के माध्यम से अपने रणनीतिक हितों को और सुदृढ़ कर रहा है। वहीं इटली भी एशिया में अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए भारत के साथ साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है।

यह बैठक इस बात का भी संकेत है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहना चाहता, बल्कि वह रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इटली जैसे देशों के साथ सहयोग इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कुल मिलाकर, राजनाथ सिंह और गुइडो क्रोसेटो की यह मुलाकात केवल एक औपचारिक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसी पहल थी, जो भविष्य में भारत-इटली संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। रक्षा, तकनीक और वैश्विक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग का यह विस्तार दोनों देशों के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित कर सकता है।

## क्योंझर कंकाल प्रकरण: बैंक की संवेदनहीनता ने रची त्रासदी, प्रारंभिक जांच में बड़ी लापरवाही उजागर

क्योंझर। ओडिशा के क्योंझर से सामने आए उस दर्दनाक और झकझोर देने वाले मामले में अब जांच के साथ कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। अपनी दिवंगत बहन के बैंक खाते से पैसे निकालने के लिए उसके कंकाल को कंधे पर उठाकर बैंक तक पहुँचने वाले जीतू मुंडा की मजबूरी अब केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं रही, बल्कि यह पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता का प्रतीक बन गई है। प्रारंभिक जांच में साफ संकेत मिले हैं कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे बैंक प्रशासन की गंभीर लापरवाही और असंवेदनशील रवैया मुख्य कारण रहा।

राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई जांच के तहत अधिकारियों ने पाया कि जीतू मुंडा कई बार बैंक के चक्कर लगा चुके थे। वे अपनी बहन के खाते से पैसे निकालना चाहते थे, लेकिन हर बार उन्हें नियमों और प्रक्रियाओं का हवाला देकर लौटा दिया गया। यह स्थिति तब और गंभीर हो गई जब उन्हें कोई स्पष्ट मार्गदर्शन या सहयोग नहीं मिला। लगातार उपेक्षा और असहयोग के कारण वे मानसिक रूप से इतने परेशान हो गए कि अंततः उन्हें यह अमानवीय कदम उठाना पड़ा, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया।

इस मामले के सामने आने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री Mohan Charan Majhi ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए। उनके निर्देश पर उत्तरी मंडल के राजस्व संभागीय आयुक्त संग्राम केशरी महापात्रा और क्योंझर जिले के आयुक्त विशाल सिंह ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। जांच टीम Odisha Gramya Bank की मालीपोसी शाखा पहुँची, जहाँ उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की और बैंक कर्मचारियों से विस्तृत पूछताछ की।

प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि बैंक अधिकारियों ने न केवल उचित सहयोग नहीं किया, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी पूरी तरह विफल रहे। अधिकारियों के अनुसार, यदि बैंक कर्मचारियों ने समय रहते सही जानकारी और मार्गदर्शन दिया होता, तो शायद यह घटना इस रूप में सामने नहीं आती। यह केवल प्रक्रियात्मक गलती नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की कमी का मामला भी है।

जांच में यह भी सामने आया कि विवाद और भारी हंगामे के बाद अंततः जीतू मुंडा को उनकी बहन के खाते में जमा राशि मिल गई। लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह घटना के मूल कारण को कम नहीं करता। आरडीसी संग्राम केशरी महापात्रा ने कहा कि "पैसा मिल जाना इस बात का समाधान नहीं है कि एक व्यक्ति को इतनी पीड़ा और अपमान का सामना क्यों करना पड़ा।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि बैंक की कार्यप्रणाली और रवैये ने ही जीतू को इस स्थिति तक पहुँचाया।

इस पूरे प्रकरण ने एक और महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर किया है—ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग प्रक्रियाओं की जटिलता और आम लोगों की सीमित समझ। जांच में यह पाया गया कि जीतू मुंडा पूरी तरह अनपढ़ नहीं हैं, लेकिन उन्हें उत्तराधिकार और बैंकिंग नियमों की तकनीकी जानकारी नहीं थी। ऐसे में बैंक कर्मचारियों की जिम्मेदारी थी कि वे उन्हें सही तरीके से गाइड करें और प्रक्रिया को समझने में मदद करें। लेकिन इसके विपरीत, उन्हें बार-बार टाल दिया गया, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ती गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस व्यापक समस्या की ओर इशारा करती है, जहाँ सरकारी और बैंकिंग संस्थाएं आम नागरिकों की जरूरतों और समझ के अनुरूप खुद को ढालने में असफल हो रही हैं। नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन उसके साथ मानवीय संवेदनशीलता और सहानुभूति भी उतनी ही आवश्यक है।

राज्य सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संकेत दिए हैं कि दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरडीसी महापात्रा ने आश्वासन दिया कि जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी और इसके आधार पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बैंकिंग प्रक्रियाओं को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में भी काम किया जाएगा।

यह घटना न केवल प्रशासन के लिए एक चेतावनी है, बल्कि समाज के लिए भी एक आईना है, जो यह दिखाता है कि जब सिस्टम संवेदनहीन हो जाता है, तो आम आदमी को कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। क्योंझर का यह कंकाल प्रकरण आने वाले समय में एक उदाहरण के रूप में याद किया जाएगा, जो यह सिखाता है कि नियमों के साथ-साथ मानवीय दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

फिलहाल, पूरे राज्य की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जांच के अंतिम निष्कर्ष क्या आते हैं और दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है। लेकिन इतना तय है कि इस घटना ने एक गहरी छाप छोड़ी है और यह प्रशासन तथा बैंकिंग तंत्र को अपनी कार्यप्रणाली पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर रही है।

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

**श्री नरेन्द्र मोदी**
माननीय प्रधानमंत्री

**श्री भूपेन्द्रभाई पटेल**
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

vibrant GUJARAT REGIONAL CONFERENCES
Regional Aspirations, Global Ambitions

# दक्षिण गुजरात

# 01st | 02nd MAY 2026

## क्षेत्रीय आकांक्षाएँ, वैश्विक महत्वाकांक्षाएँ

### प्रमुख क्षेत्र

- जेम्स एवं ज्वेलरी
- टेक्सटाइल एवं एपेरल्स
- कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण
- केमिकल्स एवं पेट्रोकेमिकल्स
- पर्यटन

### सम्मेलन की मुख्य विशेषताएँ

- उद्घाटन समारोह
- क्षेत्र-विशिष्ट सेमिनार
- कंट्री सेमिनार
- क्षेत्रीय पुरस्कार (MSMEs/आर्टिज़न)
- क्षेत्रीय MSME सम्मेलन
- पैनल डिस्कशन्स
- राउन्ड टेबल सम्मेलन
- रिवर्स बायर-सेलर मीटिंग
- उद्यमी मेला
- ट्रेड शो/प्रदर्शनी
- B2B/B2G मीटिंग्स
- विशेष दौरे/औद्योगिक दौरे
- विक्रेता विकास कार्यक्रम
- समापन सत्र

माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात
**श्री भूपेन्द्रभाई पटेल** जी
द्वारा शुभारंभ

गरिमामय उपस्थिति
**श्री हर्ष संघवी**
माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

गुजरात स्थापना दिवस
1 मई, 2026

1 मई, 2026, शुक्रवार | सुबह 09:30 बजे | ऑरो युनिवर्सिटी, सूरत, गुजरात

**''वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस से गुजरात के औद्योगिक उत्कर्ष की नई दिशा खुलेगी।''**
**- श्री हर्ष संघवी, माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात**

## वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एक्ज़ीबिशन

1 से 5 मई, 2026 | सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक

वेबसाइट के लिए स्कैन करें

भागीदार देश: Japan, Rwanda, Singapore, Ukraine

भागीदार संस्थाएँ: JETRO Japan External Trade Organization, US-INDIA Strategic Partnership Forum, Trade Representation of the Russian Federation, AMCHAM India, kotra Korea Trade-Investment Promotion Agency

कार्यक्रम स्थल तक पहुँचने के लिए स्कैन करें

सीधा प्रसारण: CMOGuj | CMOGuj | CMOGujarat | CMOGujarat | vibrantgujarat | vibrantgujarat | vibrant_gujarat | vibrantgujarat

# ૬૬ મો ગુજરાત ગૌરવ દિવસ

## मेरा गुजरात, मेरा गौरव

**गुजरात के 66वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सूरत में भव्य राज्य स्तरीय समारोह**

**कार्यक्रम के अध्यक्ष**

**श्री आचार्य देवव्रत**
माननीय राज्यपाल, गुजरात

**गरिमामय उपस्थिति**

**श्री भूपेन्द्रभाई पटेल**
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

**और**

**श्री हर्ष संघवी**
माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

प्रत्येक गुजराती कहता है,
अंतर्मन की आवाज़ कहती है,
ये गुजरात मैंने बनाया है।

**- श्री नरेन्द्र मोदी**
माननीय प्रधानमंत्री

**पुलिस परेड**
**दिनांक:** 1 मई 2026, शुक्रवार, **समय:** शाम 6-30 बजे
**स्थान:** वाय जंक्शन, सूरत

**सांस्कृतिक कार्यक्रम**
**दिनांक:** 1 मई 2026, शुक्रवार, **समय:** शाम 7-30 बजे
**स्थान:** डुमस सी-फेस, सूरत

औद्योगिक शक्ति | विकास एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर | सागर शक्ति | हरित विकास | कृषि समृद्धि | पर्यटन एवं सांस्कृतिक विरासत | सशक्त एवं स्वस्थ गुजरात

सूरत के आँगन में आयोजित 66वें **'गुजरात गौरव दिवस'** का भव्य समारोह हमारी अविरत विकास यात्रा का एक जीवंत उत्सव है, जो **'विकसित गुजरात से विकसित भारत'** की दिशा में सुदृढ़ मार्ग प्रशस्त करेगा। **- श्री हर्ष संघवी,** माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

## 66वें 'गुजरात गौरव दिवस' के अवसर पर मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश

# आज पूरी दुनिया गुजरात के विकास मॉडल से प्रभावित होकर गुजरात की ओर आकर्षित हुई है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार और मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों की ओर से देश और दुनिया में बसे सभी प्यारे गुजराती भाई-बहनों को 1 मई, 2026 को 66वें 'गुजरात स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं दीं।

**मुख्यमंत्री का गुजरात स्थापना-गौरव दिवस के अवसर पर जनता के नाम संदेश इस प्रकार है :**

मुख्यमंत्री ने गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर अपने संदेश में कहा कि महात्मा गांधी, सरदार साहब, स्वामी दयानंद सरस्वती और श्यामजी कृष्ण वर्मा के आशीर्वाद, तथा पूज्य रविशंकर महाराज और इंदु चाचा जैसे अनेक महापुरुषों की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन के साथ-साथ लोगों के अहर्निश कठोर परिश्रम और सभी के सहयोग से गुजरात ने अपनी विकास यात्रा शुरू की थी। आज उन सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि जब 1 मई, 1960 को गुजरात तत्कालीन मुंबई राज्य से अलग होकर एक स्वतंत्र राज्य बना था, तब सभी के मन में यह सवाल था कि केवल रण (रेगिस्तान), समुद्र और पहाड़ों वाला यह राज्य कैसे आगे बढ़ेगा। लेकिन 1960 से 2000 तक चार दशकों की गुजरात की विकास यात्रा और वर्ष 2001 के बाद के ढाई दशकों की अविरत विकास यात्रा का बिल्कुल साफ और स्पष्ट अंतर आज हर कोई देख सकता है। गुजरात आज विकास की उस ऊंचाई पर है कि पूरी दुनिया गुजरात की ओर आकर्षित हो रही है। इसकी जड़ों में है श्री नरेन्द्र मोदी जैसा दूरदर्शी नेतृत्व, जो हमें मिला, साथ ही विकास की प्रति उनकी प्रतिबद्धता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मोदी साहब ने गुजरात में विकास की राजनीति का युग विकसित किया। गुजरात उनकी प्रेरणा से आज देश के विकास का रोल मॉडल बन गया है। जनता-जनार्दन ने भी इस अविरत विकास यात्रा को लगातार आगे बढ़ाने के लिए श्री मोदी साहब के नेतृत्व पर अपार विश्वास और भरोसा व्यक्त किया है। उसी भरोसे और विश्वास को आप सभी ने हाल ही में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भी हमें प्रचंड समर्थन देकर बरकरार रखा है। हम नतमस्तक होकर आपके इस प्रेम का ऋण स्वीकार करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने गुजरात को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए हर क्षेत्र में विकास की चरम सीमा को पार करके परिश्रम की पराकाष्ठा कर दी है। प्रधानमंत्री ने बिजली, पानी, रोड नेटवर्क, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवाओं की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने पर फोकस करके इन सभी क्षेत्रों में आमूल बदलाव लाया है। आज 'ज्योतिग्राम योजना' के जरिए राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित गांवों को 24 घंटे निर्बाध थ्री-फेज बिजली मिल रही है। बिजली उत्पादन की क्षमता 8,750 मेगावाट से बढ़कर लगभग 53 हजार मेगावाट हो गई है। गुजरात देश का इकलौता ऐसा राज्य है, जहां गैस ग्रिड, वाटर ग्रिड और विद्युत ग्रिड का निर्माण हुआ है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि औद्योगिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास के साथ ही हमने शहरी विकास को और अधिक गति देने के लिए 2025 को शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाया और शहरी विकास के बजट में 40 फीसदी का इजाफा किया। व्यापारी राज्य के रूप में जाने जाने वाले गुजरात में पूंजी निवेश को बढ़ाने और नए व्यापार-उद्योग विकसित करने के लिए श्री नरेन्द्र मोदी ने 2003 से वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की शुरुआत की।

वाइब्रेंट समिट की निरंतर सफलता के चलते गुजरात आज 'ग्लोबल गेट-वे टू दी फ्यूचर' और देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य बन गया है। हमारे हर जिले के अपने विशिष्ट उत्पाद और विशेष क्षमताएं हैं। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से हमने इस क्षमता को 'वोकल फॉर लोकल से ग्लोबल प्लेटफॉर्म' देने के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) शुरू की है। उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र की ऐसी कॉन्फ्रेंस को शानदार सफलता मिली है, अब गुजरात स्थापना दिवस से सूरत में दक्षिण गुजरात क्षेत्र की वीजीआरसी का प्रारंभ हुआ है।



उन्होंने आगे कहा कि आज का जमाना सोलर, विंड और हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी और ग्रीन हाइड्रोजन से ग्रीन ग्रोथ का है। गुजरात ने तो बहुत पहले ही इस दिशा में आयोजन कर लिया है। हमारी रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता देश की कुल क्षमता का 15 फीसदी हो गई है। सोलर रूफटॉप योजना में गुजरात तीन लाख से अधिक घरों को कवर करते हुए बहुत आगे निकल गया है।

इतना ही नहीं, पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़कर, हमने राज्य में हाईटेक इंडस्ट्रीज की स्थापना को वेग दिया है। राज्य में दो सेमीकंडक्टर प्लांट कार्यरत हो गए हैं और दो अभी स्थापित होने जा रहे हैं। साणंद और धोलेरा सेमीकॉन इंडस्ट्री के हब बनने वाले हैं। हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित उद्योगों को गति देने के लिए गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है।

उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की भी उतनी ही अहम भूमिका है। नीति आयोग की मदद से सूरत और उसके आसपास के क्षेत्रों के रणनीतिक विकास के लिए सूरत इकोनॉमिक रीजन डेवलपमेंट प्लान तैयार किया है। उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य गुजरात के क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भी ऐसे 6 रीजनल इकोनॉमिक मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं।

हमने विकास के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए 'अर्निंग वेल, लिविंग वेल' पर फोकस करके 2047 के विकसित गुजरात का रोडमैप तैयार किया है। हमारा गुजरात ही देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने ऐसा विशिष्ट विकास विजन तैयार किया है। 'अर्निंग वेल और लिविंग वेल' की संकल्पना के साथ सतत विकास के लिए पर्यावरण अनुकूल विकास का हमारा लक्ष्य है। पर्यावरण संरक्षण के जरिए ग्लोबल वॉर्मिंग की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रधानमंत्री ने 'मिशन लाइफ' की प्रेरणा दी है। इसके समर्थन में हमने बारिश के पानी के संचय के लिए 'कैच द रेन' का राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है।

हमने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधे लगाकर धरती माता को हरा-भरा बनाया है। पर्यावरण संरक्षण के साथ ही स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए खेल को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमितभाई शाह के सफल प्रयासों से गुजरात को 'कॉमनवेल्थ गेम्स' की मेजबानी करने का अवसर मिला है। हम इस कॉमनवेल्थ गेस्म के माध्यम से दुनिया का भारत की भूमि पर स्वागत करने और गुजरात को स्पोर्ट्स हब बनाने के लिए उच्च स्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश जब वर्ष 2047 में आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब तक विकसित भारत 2047 का आह्वान किया है। उन्होंने 2047 तक के इस समय को देश का अमृत काल कहा है। इस अमृत काल में गुजरात को तो अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर 2035 में अमृत महोत्सव का जश्न मनाने का एक बड़ा अवसर मिला है। वर्ष 2035 तक हमें गुजरात को दुनिया को विकास की दिशा दिखाने वाला मॉडल स्टेट बनाना है।

हमारा तो एक ही संकल्प है, गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति, वंचितों और अदने व्यक्ति को पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम आवास योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और सभी जरूरतमंदों को आयुष्मान भारत का प्रधानमंत्री का स्वास्थ्य रक्षा कवच प्रदान करना और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करके उन्हें विकास की मुख्यधारा में लाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' मंत्र के माध्यम से गुजरात को विकास के हर क्षेत्र में नंबर वन बनाना।

आज गुजरात गौरव दिवस पर हम सभी साथ मिलकर 'विकसित भारत@2047' के लिए विकसित गुजरात का और गुजरात के विकास के लिए समर्पित होने का संकल्प करें। एक बार फिर, सभी को 'गुजरात गौरव दिवस' की अनेक अनेक शुभकामनाएं।

**भारत माता की जय.. वंदे मातरम्..**
**जय जय गरवी गुजरात...**




## मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अप्रैल-2026 के राज्य स्वागत कार्यक्रम में नागरिकों के प्रश्नों का समयसीमा में, न्यायिक और निष्पक्ष तरीके से समाधान करने के लिए सभी जिला प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए

### राज्य स्वागत कार्यक्रम की फलश्रुति

- किसान को भूमि अधिग्रहण का मुआवजा मिलेगा
- वित्तीय धोखाधड़ी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई होगी
- मुख्यमंत्री ने जिला स्तर पर विभिन्न विभागों के बीच आंतरिक समन्वय के अभाव में नागरिकों को परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश दिए
- मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन सिस्टम की खामियों के कारण लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए निर्देश दिए
- मुख्यमंत्री ने अपनी टेबल से फाइल दूसरी टेबल पर जाने के बाद जिम्मेदारी पूरी मानने के बजाय; लोगों की समस्याओं का अंतिम समाधान होने तक जवाबदेही निभाकर समस्याओं का अंतिम निपटारा करने के निर्देश दिए




गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अप्रैल-2026 के राज्य स्वागत कार्यक्रम में आई प्रस्तुतियों को प्रत्यक्ष रूप से सुनकर नागरिकों की समस्याओं का समयसीमा में, न्यायिक और निष्पक्ष तरीके से समाधान करने के लिए जिला प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए।

हर महीने आयोजित होने वाले स्वागत ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में अप्रैल-2026 के राज्य स्वागत में पूरे राज्य से 110 से अधिक प्रस्तुतकर्ता अपने प्रस्तुतियों के साथ उपस्थित रहे। इतना ही नहीं; राज्य में जिला स्वागत के में कुल 1,335 प्रस्तुतियों पर आवश्यक कार्रवाई की गई।

पंचमहाल जिले में कृषि भूमि की बिक्री हेतु अनुमति प्राप्त करने के लिए आईओआरए पोर्टल में आवेदन किया था। इस आवेदन को अधिकारियों द्वारा एक-दूसरे को ट्रांसफर करते रहने के कारण प्रस्तुतकर्ता के आवेदन का लंबे समय तक निपटारा नहीं होने पर मुख्यमंत्री ने गंभीर संज्ञान लिया। ऑनलाइन प्रणाली की खामी के कारण लोगों को परेशानी न हो, यह देखने के लिए मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर को स्पष्ट निर्देश दिए।

भरूच जिले के झगडिया तहसील में करजण जलाशय योजना अंतर्गत अधिग्रहित भूमि का अवॉर्ड मंजूर होने के बावजूद लंबे समय तक मुआवजा न मिलने पर किसान ने शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए किसान को 10 दिनों के भीतर मुआवजा देने और भुगतान में देरी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने एक अन्य शिकायत में लोगों को नकली दस्तावेज दिखाकर वित्तीय धोखाधड़ी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए पुलिस को आदेश दिए।

इसके अलावा; मुख्यमंत्री ने मेहसाणा जिले में रिसर्वे प्रोमलगेशन में कृषि भूमि के क्षेत्रफल में हुए घटाव के लिए भूमि मापन और मापन के बाद रिकॉर्ड में सुधार की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के लिए किसानों की सामूहिक प्रस्तुतियां मिलने पर किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के लिए जिला कलेक्टर को निर्देश दिए।

इस स्वागत कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि अपने टेबल से फाइल दूसरे टेबल पर जाने से अपनी जिम्मेदारी पूरी मानने के बजाय, लोगों के प्रश्नों का अंतिम निपटारा होने तक जिम्मेदारी निभाते हुए, समस्याओं का अंतिम समाधान करना चाहिए।

अप्रैल-2026 के इस राज्य स्वागत में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार, मुख्यमंत्री के अपर प्रधान सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. अजय कुमार तथा विशेष कार्य अधिकारी श्री डी. के. पारेख, श्री राकेश व्यास, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा संबंधित जिलों के कलेक्टर, एसपी और डीडीओ उपस्थित रहे।

# सूरत में राजनीतिक विवाद: दिनेश राजपुरोहित और विजय चौमल पर गंभीर आरोप, लोकतंत्र पर सवाल

**(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत।** सूरत के वार्ड नंबर 18 से भाजपा के टिकट पर जीत हासिल करने वाले दिनेश राजपुरोहित को टिकट मिलने के बाद, उनका एक वीडियो/ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें उन्हें आम आदमी पार्टी की महिला उम्मीदवार की उम्मीदवारी वापस लेने के लिए शर्म-दम-दंड-भेद की नीति अपनाते हुए सुना जा सकता है। इस वीडियो में उन्होंने लालच भरे शब्दों के साथ-साथ अप्रत्यक्ष धमकियां भी दीं।

इस प्रकार, दूसरी बार चुनाव का टिकट मिलते ही दिनेश राजपुरोहित आसमान छूने लगे। उनका व्यवहार लोकतंत्र के लिए कलंक है, जिसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जब एक लोकतांत्रिक देश में हर किसी को चुनाव लड़ने का अधिकार है, तो सत्ताधारी दल या उसके उम्मीदवार, चाहे वे किसी भी दल से चुनाव लड़ें, उनका विरोध कैसे कर सकते हैं? इतना ही नहीं, 28 अप्रैल को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद, पराजित कांग्रेस उम्मीदवार खुमान सिंह पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शहर के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में जिस तरह से बेरहमी से हमला किया गया, वह लोकतंत्र की हत्या से कम नहीं था। इस घटना को सोशल मीडिया पर भी खूब उछाला गया। यहाँ देखने लायक बात यह है कि दिनेश राजपुरोहित दूसरी बार चुने जाने के बाद किस हद तक तानाशाह बन गए हैं। एक लोकतांत्रिक देश में हर किसी को चुनाव लड़ने का अधिकार है, तो किसी भी पार्टी से चुनाव क्यों न लड़ा जाए? सत्ताधारी पार्टी का उम्मीदवार इसका विरोध कैसे कर सकता है? एक तरफ भाजपा खुद को अनुशासित और कार्यकर्ता-आधारित पार्टी बताती है, जिसने अतीत में भय, भूख और भ्रष्टाचार को खत्म करने की बड़ी-बड़ी बातें की थीं, वहीं दूसरी तरफ इसी पार्टी के विजयी उम्मीदवार अपने गॉडफादरों के नाम पर गुंडागर्दी कर रहे हैं और पुलिस की मौजूदगी का दुरुपयोग कर रहे हैं। दिनेश राजपुरोहित जैसे लोगों के लिए अपने गॉडफादरों की मर्जी से नेतृत्व करना उचित नहीं है, बल्कि उन्हें पूरे समाज के लिए एक समान भावना के साथ जनता के लिए काम करना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों को कभी भी किसी के प्रति घृणा या दुर्भावना नहीं रखनी चाहिए। दिनेश राजपुरोहित जैसे मंदबुद्धि लोगों को यह बिल्कुल पसंद नहीं आता जब किसी भी समुदाय का कोई व्यक्ति किसी बड़े नेता के पद पर पहुंचता है। वे किसी भी समुदाय के व्यक्ति की तरक्की को भी बर्दाश्त नहीं कर पाते। उनका काम उस वार्ड के लोगों का है जहां से वे चुने गए हैं। उन्हें उनकी सेवा करनी है। जहां अवैध पार्किंग की समस्या है, उनके कार्यालय के 100 से 500 मीटर के दायरे में शराब और जुए के अड्डे चल रहे हैं, अनैतिक गतिविधियां हो रही हैं और पुणे-पटिया कंगारू सर्कल में रविवार और गुरुवार को मेला लगता है, वहां दिनेश राजपुरोहित को यह दिखाई नहीं देता कि वहां के निवासी यातायात की समस्या से परेशान हैं। यह सब देखकर सिस्टम से उनकी (दिनेश की) मिलीभगत उजागर हो जाती है। इसलिए, दिनेश राजपुरोहित ने अपना चुनावी क्षेत्र छोड़ दिया है और रिंग रोड पर फोस्टा के कार्यालय में बैठकर पुरोहित थाली नाम से एक लॉज चला रहे हैं। उनका कपड़ा व्यवसाय से कोई लेना-देना नहीं है। अगर दिनेश बाज़ार के व्यापारियों को समझौता कराने और सलाबतपुरा पुलिस के साथ समझौता करने जैसे गैर-कानूनी काम कर रहा है, जो उसका काम नहीं है, तो उसने सूरत से राजस्थान तक अपने दो कार्यकाल में कितनी संपत्तियां बनाई होंगी? अगर इसकी भी जांच हुई तो बहुत कुछ सामने आएगा। लेकिन जांच कौन करेगा? सूरत शहर में सूरत एमएनपी के पदाधिकारियों के चुनाव में, ऐसे भाग्यशाली साधुओं ने अपने गुरुओं के ज़रिए शहर को और लूटने के लिए जगह पाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। अगर ऐसे भ्रष्ट लोगों को कोई भी ऊँचा पद मिल गया, तो वे शहर को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ऐसे भ्रष्ट लोगों को सत्ता से दूर रखना चाहिए। विजय चौमल की मानसिकता ऐसी है मानो वह किसी गाड़ी के नीचे से बोझ खींच रहा हो। अब अगर हम वार्ड नंबर 19 की बात करें, तो विजय चौमल, जिनका टिकट रद्द कर दिया गया है, उस इलाके के लोगों से निजी तौर पर कहते थे कि अगर वार्ड नंबर 19 में विजय चौमल नहीं हैं, तो कोई और है ही नहीं और उन्होंने भाजपा उम्मीदवार को हराने के लिए पर्दे के पीछे से दुष्प्रचार शुरू कर दिया था। विजय चौमल के आरएसएस के संरक्षकों ने उन्हें दो बार टिकट दिया था। हर बार विजय चौमल को आरएसएस से प्रोत्साहन मिलता रहा था।

लेकिन इस चुनाव में, विजय चौमल का टिकट काटे जाने के अलावा, ब्याज पर पैसे देते हुए उनका वीडियो वायरल हो गया, और ब्याज पर पैसे लेने वाले को धमकी देते हुए विजय चौमल का ऑडियो भी वायरल हो गया। वहीं, रणछोड़ देवासी और हरीश चौधरी उनकी दुकान में साझेदार हैं। रणछोड़ देवासी ने ही विजय चौमल का परिचय हरीश चौधरी से कराया था। रणछोड़ देवासी के माध्यम से ही विजय चौमल साझेदार बने। और आज विजय चौमल करोड़ों रुपये कमा चुके हैं। वहीं रणछोड़ देवासी को पैसों की सख्त जरूरत थी। विजय चौमल से ब्याज सहित ली गई रकम चुकाने के बाद भी, विजय चौमल को परेशान किया गया और धमकी दी गई। यहां तक कि पुलिस के माध्यम से भी धमकियां दी गईं। इससे पहले, निर्माण कार्य न करने के लिए विजय चौमाल के खिलाफ एसीबी में पांच लाख रुपये की रिश्वत की शिकायत भी दर्ज की गई थी। मामला अदालत में लंबित है।


## पश्चिम रेलवे द्वारा साबरमती और वटवा से हावड़ा तक एकतरफ़ा विशेष ट्रेनें चलाई जाएगी

| ट्रेन क्र. | प्रस्थान स्टेशन और गंतव्य | सेवा के दिन | प्रस्थान | आगमन |
|---|---|---|---|---|
| 09403 | साबरमती-हावड़ा | 01.05.2026 | 18:00 बजे (शुक्रवार) | 15:30 बजे (रविवार) |
| हॉल्ट: महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, अजमेर, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज, बरहरवा, रामपुरहाट, बोलपुर, बर्द्धमान और बंडेल स्टेशन। | | | | |
| संरचना: स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच। | | | | |
| 09481 | वटवा - हावड़ा | 01.05.2026 | 16:45 बजे (शुक्रवार) | 10:00 बजे (रविवार) |
| हॉल्ट: छायापुरी, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, कोडरमा, धनबाद, आसनसोल और दुर्गापुर स्टेशन। | | | | |
| संरचना: स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच। | | | | |

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ऊपर बताई गई ट्रेनों के लिए बुकिंग, भारतीय रेलवे के सभी PRS काउंटरों और IRCTC की वेबसाइट पर शुरू हो गई है। ये ट्रेनें 'स्पेशल ट्रेन' के तौर पर स्पेशल किराए पर चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक और फॉलो करें: facebook.com/WesternRly X.com/WesternRly Instagram.com/WesternRly https://www.youtube.com/@WesternRly https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ रखें।



## पश्चिम रेलवे - रतलाम मण्डल
### ई-निविदा सूचना

**संख्या- E-IND-WLI-2026 दिनांक 29.04.2026** भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए वरि. कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर पश्चिम रेलवे, रतलाम द्वारा निम्नलिखित कार्य/कार्यों के लिए खुली ई-निविदा संख्या : E-IND-WLI-2026 के विरुध्द अंतिम तिथि 25-05-2026 15:00 बजे तक (एकल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है। बिडर केवल अंतिम तिथि एवं समय तक ही अपनी बीड जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुध्द मैन्युअल ऑफर की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफर को अनदेखा कर दिया जाएगा। यदि किसी कारण-वश निविदा खुलने की नियत दिनांक को अवकाश घोषित किया जाता है तो संबंधित निविदायें अवकाश के अगले कार्य दिवस मे नियत समय पर खोली जायेगी। **कार्य का नाम एवं स्थान:** अंडरस्लंग और ओवरहेड वॉटर टैंक वाले कोचों के लिए जल स्तर संकेतक की व्यवस्था । स्थान - कोचिंग डिपो-इंदौर **कार्य की अनुमानित लागत:** Rs.2,29,60,000/- (सभी कर, ड्यूटीज, एवं जी.एस.टी. सहित) **बयाना राशि:** Rs 2,64,800/- **समापन अवधि:** एल.ओ.ए. जारी होने की तारीख से 12 माह **कार्यालय का पता जहां निविदा खुलेगी:** कार्यालय - वरि. कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर **निविदा फार्म जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय :** 15.00 बजे दिनांक 25/05/2026 तक जमा करने का समय। **वेबसाईट व नोटिस बोर्ड जहां निविदा संबंधी सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है:** निविदायें IREPS वेबसाईट पर देखी जा सकती है साथ ही इस संबंध मे कोई भी जानकारी वरि कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर, कार्यालय (प.रे.) से सभी कार्यालयीन दिवस पर प्राप्त की जा सकती है।

Apex/29

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly



## पश्चिम रेलवे - रतलाम मण्डल
### ई-निविदा सूचना

संख्या - W/623/5/1/NIT दिनांक 27.04.2026

मंडल रेल प्रबंधक/मंडल कार्यालय (कार्यलेखा शाखा) पश्चिम रेलवे, रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली निविदा' ई-निविदा के माध्यम से वेबसाईट www.ireps.gov.in पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है -

| क्रम सं. | ई-टेण्डरिंग संख्या व कार्य का नाम | अनुमानित लागत | बयाना राशी |
|---|---|---|---|
| 1 | RTM-2026-27-1<br>Zone - 1 "A" Godhra (Excluding) to Meghnagar (Excluding) section:- Dahod – Godhra (Excluding). | 1,09,76,474.27 | 2,19,500.00 |
| 2 | RTM-2026-27-2<br>Zone - 1 "C" Dahod Local Station colonies (a), (b), (c) & (e) site, station colony, Kalidam km. 523/02-03 to 543/0. | 1,24,91,262.12 | 2,49,800.00 |
| 3 | RTM-2026-27-3<br>Zone No. 2"A" Dahod Local "D" site colony km. 539/02-03 to 543/0. | 1,30,12,066.80 | 2,60,300.00 |
| 4 | RTM-2026-27-4<br>Zone No. 2"B" Dahod Local workshop maintenance. | 1,23,88,373.50 | 2,47,800.00 |
| 5 | RTM-2026-27-5<br>Zone No. 3 Meghnagar (Including) to Ratlam (Excluding). | 1,78,29,177.36 | 3,56,600.00 |
| 6 | RTM-2026-27-6<br>Zone No. "21" Dahod Proper Sanitary Zone. | 85,16,752.10 | 1,70,300.00 |
| 7 | RTM-2026-27-7<br>Zone No. 6 Ratlam (Excluding) to Nagda (Including) km 651/05-06 to km 698 & km 0/00 to 1.25 under section Engineer (Works) Nagda. | 82,96,514.89 | 1,65,900.00 |
| 8 | RTM-2026-27-8<br>Zone No. 4"A" Ratlam- Railway Colony Quarters (Excl. east side of BG line, Officers Bunglows/Quarters , Service Building & Railway Hospital), The zone includes sanitary work and internal plumbing works, under SSE/W-1/RTM. | 1,92,09,339.99 | 3,84,200.00 |
| 9 | RTM-2026-27-9<br>Zone No. 4"B" Ratlam-Service Buildings excluding east side of BG area. The zone includes sanitary and internal plumbing works, under SSE/W- 1/RTM. | 1,22,33,841.44 | 2,44,700.00 |
| 10 | RTM-2026-27-10<br>Zone No.4"C" Ratlam-White wash & colour wash etc. work service building, staff quarters & Kurel dam under SSE/Works-1 and 2 (east) Ratlam. | 2,05,41,175.06 | 4,10,800.00 |
| 11 | RTM-2026-27-11<br>Zone No. 4"D"Ratlam-Maintenance work of Railway hospital and Officers Bunglow/Quarters. The zone includes sanitary and internal plumbing work under SSE/W/2/ Ratlam. | 1,06,95,325.77 | 2,13,900.00 |
| 12 | RTM-2026-27-12<br>Zone No. 5 Ratlam-East side of B.G. line, i.e. loco, Jaora road, ghatla colony, R.E. building, Kota Building, other service buildings, Diesel shed. The zone includes sanitary and internal plumbing works under SSE/W/2/Ratlam. | 1,23,03,530.81 | 2,46,100.00 |
| 13 | RTM-2026-27-13<br>Zone No.22 All main water supply assets in Ratlam including Kurel, Bhairongarh and main lines of outside buildings, bores wells in entire Ratlam area under SSE/W- 2/Ratlam. | 87,93,521.73 | 1,75,900.00 |
| 14 | RTM-2026-27-14<br>Zone No.07Ujjain Proper:-km 21/6 to 22/6 | 1,25,00,000.00 | 2,50,000.00 |
| 15 | RTM-2026-27-15<br>Zone No 14 RTM (excluding) to FTD(including) km 375.72 to 457.13 and FTD-CNN (Including) section. K.M. 00.00 to 20.079 K.M. | 1,30,00,000.00 | 2,60,000.00 |
| 16 | RTM-2026-27-16<br>Zone No. 15 FTD (Excluding) to Indore station , km 475.130 to 495.700 & and Rau- Tihi section. K.M. 00.00 to 08.77 K.M service building and Railway colonies | 2,14,09,484.72 | 4,28,200.00 |
| 17 | RTM-2026-27-17<br>Zone No. 8"A" Nagda (Excluding) to Ujjain (Excluding) & Ujjain (Excluding) to Dewas (Excluding) | 1,45,33,493.56 | 2,90,700.00 |
| 18 | RTM-2026-27-18<br>Zone No. 8"B" Dewas (Including) to Indore (Excluding) from Km. 37 to 75.900 & Maksi (Excluding ) to Dewas(Excluding)from KM -0.00 to 34.660. | 75,97,031.77 | 1,52,000.00 |
| 19 | RTM-2026-27-19<br>Zone No. 9"A" Ujjain (Excluding) to Maksi (Including). | 98,29,875.96 | 1,96,600.00 |
| 20 | RTM-2026-27-20<br>Zone No. 9"B" Maksi (Excluding) to Akodiya (Including). | 1,09,56,584.99 | 2,19,200.00 |
| 21 | RTM-2026-27-21<br>Zone No.10"A" Akodiya (Excluding) to Baktal (Including) | 1,17,37,887.69 | 2,34,800.00 |
| 22 | RTM-2026-27-22<br>Zone No. 10"B" Baktal (Excluding) to Bakaniya Bhawari up to km 226.15. | 1,05,53,867.17 | 2,11,100.00 |
| 23 | RTM-2026-27-23<br>Zone No. 16 "A" Indore (Excluding ) to Kalakund (Including) i.e. location from km no. 495.700 to 529.00 | 2,11,79,347.51 | 4,23,600.00 |
| 24 | RTM-2026-27-24<br>Zone No. 16"B" Kalakund (Excluding) to Khandwa (Excluding) i.e. location from Km. 529.00 to 630.19 & Khandwa Bypass (Including) to Mathela (Including) from KM. 00.00 to 8.40 | 90,60,522.18 | 1,81,200.00 |
| 25 | RTM-2026-27-25<br>Zone No. 12 Chanderiya (Including) to Biwk(Excluding) i.e. location from Km. 175/07 to 230.00 | 2,25,00,000.00 | 4,50,000.00 |
| 26 | RTM-2026-27-26<br>Zone No. 13"A" Biwk (Including) to piplia (Excluding) i.e. location from km. 230.00 to 272.00 | 1,20,00,000.00 | 2,40,000.00 |
| 27 | RTM-2026-27-27<br>Zone No. 13"B" piplia (Including) to Ratlam (Excluding) i.e. location from km. 272.00 to 373.518 & 00.593-3.115 Q track | 1,20,00,000.00 | 2,40,000.00 |

**अनुमानित मात्रा सभी के लिए :** As per Tender Schedule. **कार्य समापन अवधि सभी के लिए :** Up to 30.06.2027; **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि सभी के लिए :** 27.04.2026; **निविदा खुलने की तिथि सभी के लिए :** 19.05.2026. विस्तृत निविदा सूचना, अर्हता शर्ते एवं अन्य शर्ते वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है।

Apex/27 मण्डल रेल प्रबंधक (कार्यलेखा) रतलाम पश्चिम रेलवे

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly


RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in